6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 7+7=14

(i) रघुवीर सहाय की कविताओं में स्त्री जीवन का संघर्ष

(ii) 'उनको प्रणाम' कविता की मूल संवेदना

(iii) 'आस्था' कविता का मूलभाव

(iv) 'एक अजीब-सी मुश्किल' कविता का प्रतिपाद्य

***

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
New Delhi-110019

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :......................

Sl. No. of Q. Paper : **1745 I**

Unique Paper Code : 2052103502

Name of the Paper : **आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

निर्देश :

(क) इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(ख) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दो** काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 8×2=16

(क) यहाँ हर्ष-विषाद, चिंता - क्रोध,
यहाँ है सुख-दुख का अवबोध
यहाँ प्रत्यक्ष औ अनुमान
यहाँ स्मृति-विस्मृति सभी के स्थान
तभी तो तुम याद आती, प्राण,
हो गया हूँ मैं नहीं पाषाण।

अथवा

यह मधु है : स्वयं काल की मौना का युग-संचय,
यह गोरस : जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत पय,
यह अंकुर : फोड़ धरा को, रवि को तकता निर्भय,
यह प्रकृत, स्वयम्भू, ब्रह्म, अयुत इसको भी शक्ति को
दे दे।

(ख) कविता को
बिखरा कर देखने से
सिवा रेशों के क्या दिखता है
लिखने वाला तो
हर बिखरे अनुभव के रेशे को
समेट कर लिखता है।

अथवा

बचाना है –
नदियों को नाला हो जाने से
हवा को धुआँ हो जाने से
खाने को जहर हो जाने से :
बचाना है – जंगल को मरुथल हो जाने से,
बचाना है – मनुष्य को जंगल हो जाने से।

2. 'नागार्जुन सच्चे अर्थों में जन कवि है' – स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

गिरिजा कुमार माथुर की कविताओं का मूल स्वर स्पष्ट कीजिए।

3. 'यह दीप अकेला' कविता का मूल भाव क्या है ? 15

अथवा

'रामदास' कविता अपने समय और समाज का आईना है – विचार कीजिए।

4. 'गीतफ़रोश' कविता सामाजिक, राजनैतिक व्यवस्था पर प्रहार एवं कलाकार की दुर्दशा का आईना है – विचार कीजिए। 15

अथवा

कवि जगदीश गुप्त की काव्य-भाषा का वर्णन कीजिए।

5. कुँवर नारायण की कविता गहरे सामाजिक संदर्भों से आबद्ध है – स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'पानी की प्रार्थना' कविता की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।